श्री ए. पी. जैन : हो गया, जबाब हो गया ।

डा० भाई महावीर : श्रीमन, कुछ तो जबाब दिलवाइए ।

MR. CHAIRMAN : Next question.

गणतन्त्र दिवस समारोह सम्बन्धी समिति

*502. श्री मानसिंह वर्मा : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गणतन्त्र दिवस समारोह का आयोजन करने के लिए प्रति वर्ष कोई समिति बनाई जाती है ;

(ख) यदि हां, तो इस समिति के सदस्यों के नाम और पदनाम क्या हैं ;

(ग) यदि उपरोक्त भाग (क) का उत्तर 'ना' हो, तो इस समारोह की व्यवस्था के लिए कौन उत्तरदायी है ; और

(घ) समारोह के लिए निमंत्रण पत्र जारी करने के लिए किस कसौटी से काम लिया जाता है ?

COMMITTEE ON REPUBLIC DAY CELEBRATIONS

♦502. SHRl MAN SlNGH VARMA : Will the Minister of DEFENCE be pleased to state :

(a) whether any Committee is set up every year to organise the Republic Day Celebrations ;

(b) if so, the names of the members of the Committee and their designations ;

(c) if the reply to part (a) above be in the negative, who is responsible for the arrangements made for the celebrations; and

(d) what is the criterion followed for issuing invitation cards ?]

रक्षा मंत्रालय (रक्षा उत्पादन) में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) से (घ) एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है । [देखिए परिशिष्ट LXXIX, अनुपत्र संख्या 56]

t [THE MINISTER OF STATE (DEFENCE PRODUCTION) IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA) : (a) to (d) A statement is laid on the Table of the House. [See Appendix LXX1X, Annexure No. :6]

श्री मानसिंह वर्मा : श्रीमन, गणतन्त्र दिवस के अवसर पर बैठने के स्थान की अव्यवस्था तो प्रति वर्ष ही होती रहती है किन्तु इस वर्ष तो अव्यवस्था अपनी चरम सीमा पर पहुंच गई । श्रीमन, अपने अनेक साथी संसद-सदस्यों को स्थान न मिलने के कारण से निराश होकर बाहर जाते मैंने देखा, अनेक को स्थान नहीं मिला, उनके साथ जो महिलाएं थीं उनको सामने दरी पर बैठने के लिए विवश होना पड़ा । मैं माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि संसद्-सदस्यों वाले क्षेत्र के लिए संसद-सदस्यों के अतिरिक्त और किन-किन लोगों के लिए पास जारी किए जाते हैं ? एक बात । दूसरी बात, जितने पास जारी किए जाते हैं उतने स्थानों का प्रबन्ध किया जाता है या नहीं ?

श्री विद्या चरण शुक्ल : जैसा माननीय सदस्य ने कहा, हमारे गणतन्त्र दिवस के समारोह में काफी लोग आना चाहते हैं और काफी भीड़ रहती है और कुछ न कुछ अव्यवस्था कहीं न कहीं हो ही जाती है । इस बार, जैसा आप जानते हैं, विशेष कारणों से बहुत ज्यादा भीड़ आई थी और जहां राष्ट्रपति जी सलामी लेते हैं उस स्थान को भी बदला गया था जिससे सलामी-स्थल पर ज्यादा लोग उपस्थित रह सकें । संसद्-सदस्यों के लिए विशेष प्रबन्ध किया गया था और उन्हें बिठाने के लिए भी इन्तजाम ठीक से किया गया था ।

t [ ] English translation.

श्री विद्या चरण शुक्ल : मैं बताना चाहता हूं कि हर एक संसद सदस्य को अधिकार रहता है कि वह अपने साथ अपनी धर्मपत्नी को लेकर आ सकते हैं और ऐसे बच्चे जो जा कर दरी पर बैठ सकें वह भी उनके साथ आ सकते हैं। इसके कारण अभी जितनी व्यवस्था हुई थी उसमें पर्याप्त रूप से जगह का इंतजाम किया गया था और पासेज जो हम लोग देते हैं यह केवल उतने ही देते हैं जितने लोगों के लिए बैठने की जगह रहती है, उससे ज्यादा पासेज ईश्यू नहीं किये जाते।

SHRl PRANAB KUMAR MUKHERJEE .' It appears from the statement submitted by the Minister that practically the Republic Day Parade function becomes the function of the officers without giving adequate attention to the people. In view of that may 1 know from the Minister when this table of precedence which contains lists of officers was last revised, and, in veiw of the changing socio-economic structure of the country may 1 know whether the Government has any idea to revise the table of precedence to accommodate more persons who do not hold any Government office ?

SHRl VIDYA CHARAN SHUKLA : This warrant of precedence is maintained and revised by the Ministry of Home Affairs and they take into account all these changing situations in the country. It is not a fact or it is not correct to say that this Republic Day function is mostly for the officials . . .

SHRl PRANAB KUMAR MUKHERJEE : It is the indication.

SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA: It is not so, because in the warrant of precedence non-officials also have a large share. It is not that only officials find a place in the warrant of precedence. If you see the number of passes issued, the number of passes issued to non-officials far outweighs the number of passes issued to officials.

SHRI HARSH DEO MALAVIYA : May we expect that in the next Parade provision would be made for the seating of Class IV officers of the Government of India, chaprasis and others ?

SHRl VIDYA CHARAN SHUKLA: It is a suggestion for action.

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : मैं सिर्फ इतना जानना चाहता हूं कि इस महत्वपूर्ण अवसर पर देश-विदेश के गण्यमान्य लोग वहां उपस्थित होते हैं और उस समय वहां की व्यवस्था ठीक-ठीक हो यह आवश्यक है। वैसे आप कहते हैं कि व्यवस्था ठीक होती है, लेकिन यह व्यवस्था ठीक रहती नहीं है यह अनुभव करने के बाद ही यह सवाल दिया गया है। तो सरकार क्या विचार करेगी कि कम-से-कम, कुछ ऐसे लोगों को उसमें और मिला लें कि जो आवश्यक हों, जैसे दिल्ली की मैट्रोपोलिटन कौंसिल के सदस्य हैं, या दूसरे लोग हैं जिससे कि देश विदेश में उनकी ख्याति में कोई कमी न आए ?

श्री विद्या चरण शुक्ल : इस समारोह की व्यवस्था तो अच्छी ही रहती है। उसमें कोई कमी नहीं रहती। पर जैसा कि मैंने पहले कहा, लोगों की संख्या ज्यादा होने के कारण यह होता है . . .

श्री मानसिंह वर्मा : परेशानी इतनी ज्यादा होती है और आप कहते हैं कि कोई कमी नहीं रहती।

(Interruptions)

श्री सभापति : (श्री जगदम्बी प्रसाद यादव से) आपको खड़े होने की क्या जरूरत है ? आप बैठिये।

श्री मानसिंह वर्मा : आपको कष्ट नहीं हुआ होगा, लेकिन मैं नाम बता सकता हूं कि जिन जिन को परेशानी हुई।

श्री विद्या चरण शुक्ल : यदि जनसंघ के सदस्य लोग जरा ध्यान से मेरी बात सुनें . . .

श्री मानसिंह वर्मा : इसमें जनसंघ कहां से आ गया ? इसके मायने हैं कि कांग्रेसी अंधे हैं, वे कुछ देखते ही नहीं।

श्री विद्या चरण शुक्ल : अध्यक्ष महोदय, यदि माननीय सदस्य जनसंघ से संबंधित हैं और मैंने जनसंघ का उनको कह दिया तो कोई वह गाली नहीं हुई । इससे उत्तेजित हीने की आवश्यकता नहीं . . .

SHRI MAN SlNGH VARMA : It is a question of seating arrangement.

श्री विद्या चरण शुक्ल : आप और यादव जी, दोनों जनसंघ से सम्बन्धित हैं इसीलिए मैंने कहा कि यदि जनसंघ सदस्य ध्यान से मेरी बातें सुनें तो उनके मन में कोई उत्तेजना नहीं होगी । इसलिए मैं उनसे निवेदन करना चाहता हूं कि वे मेरा उत्तर जरा ध्यान से सुनें । मेरा उत्तर यह है कि जो हमारा समारोह होता है गणतन्त्र दिवस का उसमें कोई अव्यस्था नहीं रहती । भारी संख्या में लोगों के आ जाने के कारण और इधर-उधर के ऐसे लोग आ जाने के कारण जिनके पास निमंत्रण पत्र नहीं रहते, ऐसे लोग इधर-उधर से घुस आते हैं । वे ऐसे लोगों के साथ आ जाते हैं जिनके पास निमंत्रण पत्र रहते हैं और उससे हमारे माननीय सदस्यों को और दूसरे सज्जनों को कष्ट अवश्य होता है । और उसको हम लोग हटाने के लिए, दूर करने के लिए, समय-समय पर प्रयत्न करते रहते हैं परन्तु मुश्किल यह है कि हर एक व्यक्ति जिसके पास निमंत्रण जाता है—जो एक व्यक्ति का निमंत्रण रहता है—तो उसके बजाय चार, पांच, छः और ले आते हैं, उनको रोका जाय तो कठिनाई आती है और यदि जाने दिया तो भी कठिनाई होती है । यही समस्या हमें हर साल वहां देखनी पड़ती है और यही मुख्य समस्या है । और बाकी कोई और अव्यवस्था हमारे गणतन्त्र समारोह में नहीं होती ।

REPATRIATION OF MONEY TO INDIA BY INDIAN IMMIGRANTS IN VARIOUS COUNTRIES

*503. SHRl SUNDAR MANI PATEL : Will the Minister of FINANCE by pleased to state :

(a) whether it has come to Government's notice that Indian immigrants in various countries are repatriating money to India through illegal means;

(b) whether it is a fact that the Government of India detected several cases of this nature recently;

(c) if so, what steps have been taken against the persons concerned; and

(d) whether the Government of India have made any assessment of the extent of black money being circulated in the country in this way ?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRl Y. B. CHAVAN) : (a) to (c) Some specific instances of Indian immigrants abroad remitting funds through unauthorised channels have come to the notice of the Government. Under the existing provisions of the Foreign Exchange Regulation Act it is not possible to take any action against such immigrants abroad. Action against the recipients of the funds in India, which is in contravention of the provisions of the Act, is taken, where ever possible. Action to plug the loopholes in the existing law receives continuous attention of Government.

(d) Presumably the Honourable Member has in mind the money circulating in India which has been received through unauthorised channels and not accounted for revenue purposes. By the very nature of the channel followed for such remittances, it is not possible to make any reliable assessment of this amount.

SHRI SUNDAR MANI PATEL : I would like to know from the Minister which are the countries from where such money is coming. I would also like to know if any person has yet been penalised on this issue.

SHRI K. R. GANESH : Wherever Indian immigrants are there, from those countries this illegal traffic is being carried on and it is not possible for me to give more informa-tiisn, As far as Centre is concerned, it is not possible to take any action under our present law.